

INDEPENDENCE DAY CELEBRATION

স্বাধীন ভারত - স্বাধীন গোমরা

স্বাধীনতা দিবস অসম্পূর্ণ ভারত জুড়ে অনেক গোমরার মধ্যে উদ্‌যাপন করা হয়। এই দিনটিতেই গোমরা গ্রহণ মুক্তি যোদ্ধাদের বহু বছর কঠোর সংগ্রামের পরে ব্রিটিশ শাসন থেকে মুক্তি পেয়েছিলেন। গোমরা প্রতি বছর স্বাধীনতা দিবস উদ্‌যাপন করে এই সমস্ত মহান নেতা মহারা ভারতের স্বাধীনতা অর্জনের জন্য তাদের জীবন উৎসর্গ করেছেন তাদের সমস্ত ত্যাগের কথা স্মরণ করতে। স্বাধীনতার পরে গোমরা গোমরাদের নিজস্ব প্রত্নমিত্রে গোমরাদের সমস্ত মৌনিক প্রতিকার পেয়েছে। ১৯৪৭ সালের ১৫ই আগস্ট ব্রিটিশদের শাসন ২০০ বছর পর স্বাধীনতার হাত থেকে গোমরাদের দৈনিক ভারতবর্ষ মুক্তি লাভ করেছিলেন এবং বিশ্বের মানচিত্রে একটি স্বাধীনতা, আনন্দময় ও স্বাধীনতার লক্ষ্য ভারতবর্ষের উদ্দেশ্য ঘটে। স্বাধীন ভারতের প্রথম প্রধানমন্ত্রী পণ্ডিত জহরলাল নেহেরু এই দিনে নয়া দিল্লির লাল কেল্লায় জাতীয় পতাকা উত্তোলন করেছিলেন। তারপর থেকে প্রতি বছর গোমরা স্বাধীনতা দিবসকে জাতীয় উৎসব হিসাবে উদ্‌যাপন করে। স্বাধীনতা দিবস গোমরাদের মনে করিবে। দেয় কোটি কোটি বীর কহীদের নান্দ্যত্যাগের ইতিহাস ভারতে মহান মুক্তি যোদ্ধারা নেতাজী সুভাষচন্দ্র বসু, মহাত্মা গান্ধী, জহরলাল নেহেরু, উৎসবীন্দ্র, মুক্তি বাসু, কৃষ্ণকুমার আজাদ মহারা কীবল্লের কৈশিক শক্তি ভারতের স্বাধীনতা সংগ্রামের জন্য কঠিন লড়াই করেছিলেন। নেতাজীরা মতো চরমপন্থী বিপ্লবীরা মনে করতেন স্বাধীনতা চিনিতে আমত হবো। তিনি জড়ে হলেছিলেন 'আজাদ

হিন্দ-মের্ত্ত', তার স্বেচ্ছায় 'দিন' 'ভোম্বা গোমরাকে' '২০০৮ সালে মনসিংহ দড়ি জালার পড়েছিলেন ২৮ বছরের মুক্তি বাসু' তার বলিদান কখনোই হোনার নয়। গোমরা কখনোই হলেতে পারবে না উৎসবীন্দ্র - এর স্বেচ্ছায় - 'ইন্দ্রকাম ক্রিয়াকর্ম' অর্থাৎ বিপ্লবীরা মিত্রজীবী হোক। এছাড়াও 'আমের দ্য স্মরণে' বাল-স্মরণের তিনক, স্মরণে বন্দুকের প্যাট্রন, নিরুপ-বাল-দীনেক ওরও অনেক কহীদের আত্মত্যাগের মহান গোমরাদের স্বাধীনতা।

স্বাধীনতার ৭৫ বছর স্মরণ, স্বাধীন ভারত আনন্দময়, প্রকৃতভায়ে এবং অকম্পনীয় স্বাধীনতার অঙ্গের বলতে অর্থাৎ যদি কিছু থেকে থাকে তবে এর সঙ্গে জড়িত দেকের প্রতিটি আনন্দময় জীবন এবং আনন্দময় প্রয়োজ মনে নাক স্বাধীনতা এবং প্রকৃতভায়ে অর্থাৎ সংগঠন বন্ধন কিনা সেই দিকে নজর দেওয়া, দিনটি জাতীয় উৎসব ও অম্মানের দিন হিসেবে স্বীকৃত। আমরা দৈনিক সংস্কৃতি অনুষ্ঠান, ক্রীড়া ও সঙ্গীত এবং পতাকা উত্তোলন অনুষ্ঠানের মাধ্যমে দিনটি পালিত হয়।

এক সময় মুক্তি বাসু ব্রিটিশের শাসন থেকে মুক্তি পাতার দিনে ভারতীয় সংগ্রামের মূল নক্ষত্র। আজ কিছু অন্য অনেক কিছু থেকে মুক্তি পাতার প্রয়োজন অনুভবে হয় - অসংগঠিত, অসংগঠিততা, স্বার্থের নামে হিংসা, নবী নির্যাতন এবং অন্য অনেক উদ্ভিন্ন অম্ম অয়ে গড়ে। স্বাধীনতা সংগ্রামীদের ভারত অম্মান জাতিতে প্রতি বছর ১৫ই আগস্ট যদি আমরা কলিখ নিতে পারি আজকের সামাজিক বিপর্যয় বিকল্পে সংগ্রাম প্রতিদিনে মিলে পাওয়ার, তা হলেই দিনটি মহামমম সার্থক্য দেওয়া হয়। ৭৫ তম স্বাধীনতা দিবস জোরাবে কাটুক। স্বাধীনতা অর্থাৎ ভারতবর্ষীকে।



It is impossible for a man to learn what he thinks he already knows
 -Epictetus

ADMISSION OPEN
PRE- PRIMARY SECTION: P.G. - UKG
PRIMARY SECTION: I – V
SENIOR SECTION: VI – IX
ADMISSION AGAINST VACANCY

क्या कर्तु में तुम्हें ?

है कुठारा !
 तुम प्रेम का सागर, मैतना का चिंतन
 जोषियों और मैतने को वादसी की युव के
 व्यंजने वाले, सबसे बड़े संजीवकर
 अपरिचित, प्रीत का सागर !
 औरले से मन की व्योम के चमकाने वाले
 सबसे बड़े मने विज्ञानी, आत्मा का मंचन !
 करोहो लोगो को रह दिताने वाले
 सबसे बड़े गुरु, बालियों का मंचन
 योगेश्वर, संतुष्ट देवेश्वर !
 समुद्र के बीच में दारुका नगरी बसाने वाले
 सबसे बड़े आर्किटेक्ट !
 अरुही सेहत का संदेश देने वाले
 सबसे बड़े डाक्टर !
 वर्म के लिए युद्ध करने वाले
 सबसे बड़े वीर !
 हवन-यज्ञ से बरीग करने वाले
 सबसे बड़े क्यारमेटोलॉजिस्ट !
 प्रकृति के सुन्दर कर्णों को सुदृशन पत्र
 में व्यंजने वाले - सबसे बड़े इंजिनियर !

क्या कर्तु में तुम्हें ?

चदियों का वदना, सागर का गहरा
 अरुणों का सरता, प्रकृति का चहरा
 अपरिचित, प्रीत का सागर !

संजय कुमार उर्वे
 Assn. teacher.

स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त वर्ष 1947 में दुनिया देश की अमेरिका
 में आजादी मिलने थी और आजादी को इसी
 खुशी के वस्त्र के रूप में मनाने के लिए हर
 साल 15 अगस्त का त्योहार बड़े ही दुःखदायक से
 मनाया जाता है।

दरअसल वर्ष 1947 से पूर्व, लगभग 200
 वर्ष से हमारा देश अंग्रेजों की राजशाही से परे
 था। और अंग्रेजों द्वारा किए गये अत्याचार को
 लज्जा से भारत के कई क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों
 हुकूमत के खिलाफ प्रति क विद्रोह बना दिया।
 इस प्रकार अने हो अंग्रेजों ने हमारे भारत
 देश पर लंबे समय तक शासन किया परंतु हम
 भी वह शांति से शासन नहीं कर पाया। कई
 कठों ना कठों विद्रोह का सामना करना पड़ा।
 इस प्रकार लंबी पंजीबर्दा और कई संघर्ष
 के बाद 1947 में 15 अगस्त के दिन हमारा
 देश आजाद हुआ।

हर साल इस दिन हम गेट त्योहार मनाते
 हैं। इस बात का स्मरण दिनांक कि किस
 प्रकार हमारा देश अंग्रेजों की राजशाही से आजाद
 आज के दिन हो आजादी मिलने थी और
 भारत की अस्मिता बड़े ही महान मिलने।

-SHIFANAAL
 -CLASS 10-C



Education is the premise of progress, in every society, in every family

-Kofi Annan

ADMISSION OPEN
PRE-PRIMARY SECTION: P.G. - UKG
PRIMARY SECTION: I – V
SENIOR SECTION: VI – IX
ADMISSION AGAINST VACANCY

PHOTO GALLERY



CLASS-X



CLASS-XII



SCHOOL CAPTAINS

ADMISSION OPEN

PRE- PRIMARY SECTION: P.G. - UKG

PRIMARY SECTION: I – V

SENIOR SECTION: VI – IX

ADMISSION AGAINST VACANCY